केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - १

रविवार, १५ जुलाई, २०१८ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
	विभाग-१, कुल गुण (३३)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
	विभाग-२, कुल गुण (३२)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	विभाग-३, कुल गुण	
	१३ (१०)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

परिचय-१

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''आप किसके शिष्य ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''जैसे ये चोखा दूध के समान श्वेत है, अखण्ड है।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''अब मैं आप सभी को ऐसा परिवेश धारण करने की आज्ञा करता हूँ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. सोनबाई का गला भर आया।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. धर्मदेव और भक्तिदेवी ने गढ़पुर में निवास किया।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – २ गुण – ६		नाम

३. सारे कच्छ प्रदेश में जय–जयकार हो गया।

....

....

....

....

.... | गुण : २ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. लग्न के अश्लील गीत बंद करवाये   २. 'यह कीचड़ नहीं चन्दन है'   ३. जालिया में बीमारी ग्रहण की

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५		नाम	प्र - ४ गुण - ५		नाम	प्र - ५ गुण - ४		नाम

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. डभाण में श्रीहरि ने कितने दिनों का यज्ञोत्सव किया ? गुण : १

.....

.....

२. गुंसाईजी ने स्वामिनारायण को कैसा कहा ? गुण : १

.....

.....

३. रोज़ा घोड़ा के लिए काठियों ने महाराज से क्या कहा ? गुण : १

.....

.....

४. महाराज ने कितने समय तक सत्संग में विचरण कर के सम्प्रदाय संस्थापन किया ? गुण : १

.....

.....

५. जूनागढ़ में श्रीहरि ने किस किस देव की मूर्ति प्रतिष्ठित की ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. जय सद्गुरु स्वामी ..... आरती की रचना गुण : २

(१) ☐ श्रीहरि को दण्डवत् प्रणाम किया। (२) ☐ संतदास को समाधि लग गई।

(३) ☐ कालवाणी (४) ☐ आत्मानंद स्वामी के आसन पर बिठाया

२. एन्ड्रयुज डनलॉप गुण : २

(१) ☐ उनकी उपदेश-कला सरल एवं प्रेरक है।

(२) ☐ यहाँ पधारिए और धर्मप्रचार का काम कीजिए।

(३) ☐ क्या यहाँ स्वामिनारायण का मन्दिर है?

(४) ☐ हमारा और हमारे शत्रुओं का कल्याण कीजिएगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ४		नाम	प्र - ७ गुण - ९		नाम

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ४)

१. जड़ जैसे ..... के पास श्रीहरि ने ..... के मंत्रों का उद्‌घोष करवाया। गुण : १

२. श्रीहरि ने अहमदाबाद में ..... करने के लिए ..... नामक जगह पसंद की। गुण : १

३. कारियाणी में श्रीहरि ..... भगत के पुत्र की ..... में शामिल हुए। गुण : १

४. संवत् ..... में ..... शुक्ला द्वादशी के दिन गढ़पुर में मूर्तिप्रतिष्ठा हुई। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''मैंने उनको मना ही कब किया। उन्हें बुलाओ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''अन्यथा क्या वह सूर्य नहीं रह जाएगा ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''भगवान कोई नहीं बन सकता।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. करशनजीभाई प्रतिदिन आठ घर जाकर भिक्षा माँगते थे।

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ४		नाम

२. लाडूबाई भैंस की देखभाल स्वयं करने लगी।

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : २ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ | | ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ 'आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज को गुणातीतानन्द स्वामी प्रति पूज्यभाव' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ५		नाम	प्र - १० गुण - ४		नाम	प्र - ११ गुण - ६		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. जागाभक्त ने गुणातीतानंद स्वामी की महिमा पहली बार किस के मुँह से सुनी ? गुण : १

.....

.....

२. मुलजी ब्रह्मचारी ने किस के साथ श्रीहरि की अखण्ड सेवा की हैं ? गुण : १

.....

.....

३. मुक्तराज कड़वा व्यास किस स्वामी के सम्पर्क में आए थे ? गुण : १

.....

.....

४. श्रीहरि ने जुलाहा के पुत्र को कब और कहा दीक्षा देकर क्या नाम रखा ? (संवत्) गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : दादाखाचर

१. दादाखाचर का जन्म संवत् १८५७ के पौष कृष्णपक्ष षष्ठी के दिन हुआ था। **२.** माता का नाम रतनदेवी था। **३.** दादाखाचर ने कहा : ''मैं भावनगर जाकर राजा की नौकरी करुँगा।'' **४.** दादाखाचर का दूसरा विवाह अमरबाई के साथ हुआ। **५.** दादा की भक्ति के वश में होकर परब्रह्म पुरुषोत्तमनारायण उनके महल में बीस वर्ष तक रहे। **६.** पिता का नाम एभल खाचर (राजा अभयसिंह) था। **७.** अपना महल साधुओं के निवास हेतु देता हूँ। **८.** भाईओं के नाम बिना किसी संदेह अपनी जागीर लिख दी। **९.** दादाखाचर को एक बहन थी। **१०.** श्रीहरि के मुख से शब्द स्वत: निकल पड़े, 'दादा तो दादा ही हैं।' **११.** दादाखाचर ने तो अपना सर्वस्व मुझे अर्पण कर दिया है। **१२.** जीवाखाचर के महल में स्वामिनारायण उनकी बहन के साथ रहते हैं।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ गुण : ३

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **भक्तराज दादाखाचर :** स्वामी के विषय में समाचार सुनकर दादाखाचर और उनकी बहनें खेलते-कुदते कारियाणी आ पहुँचे। उन्होंने स्वामी के समक्ष गढ़ड़ा में ही आश्रम बनाने के लिए अत्यधिक आग्रह किया।

उ. .....

.....

..... गुण : १ |

२. **आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज :** अहमदाबाद देश की गद्दी के प्रथम आचार्य रघुवीरजी महाराज का जन्म संवत् १८६६ में वैशाख शुक्लपक्ष द्वादशी के दिन अयोध्या गाँव (उत्तर प्रदेश) में हुआ था।

उ. .....

.....

..... गुण : १ |

३. **मुकुन्दानन्द वर्णी (मूलजी ब्रह्मचारी) :** भक्ति के तीव्र आवेग के कारण मूलजीभाई गाँव का त्याग करके सोमनाथ की यात्रा पर निकल पड़े। घूमते-घूमते वे मांगरोल गाँव में आए।

उ. .....

.....

..... गुण : १ |

४. **सद्गुरु श्रीनित्यानन्द स्वामी :** ऐसे महान ब्रह्मचारी की प्रशंसा करते हुए स्वामी ने स्वामी की बात प्रकरण २-३ में कहा है, 'प्रेमानन्द स्वामी को प्रतिदिन मेरी सेवा के लिए ही चिंता लगी रहती थी।'

उ. .....

.....

..... गुण : १ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए। (कुल गुण : १०)

१. अक्षरदेरी सार्ध शताब्दी महोत्सव की चरमसीमा तक का अवसर
२. स्वामिनारायण सिद्धांतसुधा का विमोचन समारोह
३. बी.ए.पी.एस. संस्था के केन्द्रों की विविध प्रवृत्तियाँ

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - १०		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें